संपादकीय

सप्तपदी विजय प्रण

देश के कुछ राज्यों द्वारा लॉकडाउन की अवधि बढ़ाए जाने के बाद तय था कि केंद्र सरकार भी जल्दी ही लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। मंगलवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार तीन मई तक लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा कर दी। हालांकि, लॉकडाउन के बीच सप्लाई चेन को निर्बाध रखने, सीमित आर्थिक गतिविधियों तथा रबी की फसलों की कटाई व खरीद आदि को लेकर सरकार क्या रियायत देती है, इसकी गाइड लाइंस सरकार आज जारी करेगी। समय की नजाकत को देखते हुए लॉकडाउन की समय-सीमा को बढ़ाया जाना स्वाभाविक था। अन्यथा आशंका जताई जा रही थी कि सरकार की सजगता-सक्रियता, कोरोना योद्धाओं के अथक प्रयासों व जनता के संयम से जो हासिल हुआ है, वह लॉकडाउन हटाने से खतरे में भी पड़ सकता था। हालांकि, प्रधानमंत्री ने प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जिम्मेदारी का आह्वान करते हुए कहा है कि बीस अप्रैल को देश के विभिन्न संक्रमणरहित व संक्रमण से प्रभावित इलाकों की स्थिति का मूल्यांकन करके राहत उपायों की घोषणा हो सकती है।यानी नये संक्रमण के मामले रुकने के बाद कुछ राहत के कदम उठाये जा सकते हैं, बशर्ते इस बीच लॉकडाउन का क्रियान्वयन सख्ती से किया गया हो। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने जहां देश की जनता के धैर्य व संयम की सराहना की, वहीं कामगारों के कष्टों के प्रति संवेदनशीलता भी दिखाई। उन्होंने बताया कि भारत में कोरोना संक्रमण रोकने के प्रयासों की दुनियाभर में सराहना हुई है, जिसका श्रेय उन्होंने कोरोना योद्धाओं के अथक प्रयासों और जनता के धैर्य को दिया। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि एक समय हमारे और विकसित देशों के बीच कोरोना संक्रमण के आंकड़ों में साम्य था, लेकिन हम इसे नियंत्रित करने में कामयाब रहे। वहीं इन्हीं विकसित व संपन्न देशों में कोरोना ने फिर कोहराम मचाया है। यह हमारी कामयाबी है, मगर अभी अंतिम लड़ाई बाकी है, जिसमें जनता की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्वीकारा कि सीमित संसाधनों के बावजूद हम संकल्प-साहस से कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़े हैं। शुरुआत में हमारे पास वायरस जांच की एक टेस्टिंग लैब थी, आज 220 हैं। कहा जाता है कि दस हजार संक्रमितों के लिए 1500 बेड की जरूरत होती है, आज हमारे यहां एक लाख बेड उपलब्ध हैं। छह सौ अस्पताल केवल कोविड-19 के उपचार के लिए काम कर रहे हैं। अब तक 2.3 लाख टेस्ट हो चुके हैं। प्रधानमंत्री ने युवा वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे मानवता के कल्याण के लिए कोराना वायरस के खात्मे हेतु वैक्सीन खोजने के लिए प्राणपण से जुटें। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बेहद संवेदनशील ढंग से लॉकडाउन से प्रभावित कामगारों की बात कही। उन्होंने माना कि लॉकडाउन से देश को बड़ी क्षति हो रही है, मगर नागरिकों का जीवन बचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कोरोना वायरस के खात्मे के लिए सप्तपदी विजय प्रण दोहराया। इसके लिए उन्होंने सात मुद्दों पर जनता का साथ मांगा। उन्होंने लोगों से कहा कि वे घर में बुजुर्गों का खास ख्याल रखें, खासकर जो विभिन्न रोगों से पहले ही लड़ रहे हैं। लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंसिंग का आग्रह किया। घर में बने मॉस्क के प्रयोग का अनुरोध किया। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा जारी गाइड लाइंस का अनुसरण करने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण रोकने के लिए तैयार आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने देश के नागरिकों से गरीबों की देखभाल करने तथा उनकी भोजन की आवश्यकता पूरी करने की भी अपील की। प्रधानमंत्री ने विभिन्न व्यवसाय व उद्योगों के सेवायोजकों से किसी की नौकरी खत्म न करने का भी अनुरोध किया।

फसली ऋण लेने वाले करोड़ों किसानों को राहत

» रिजर्व बैंक ने ऐसे ऋण को भी 3 महीने का मोराटोरियम दिया

नईदिल्ली (आरएनएस)। किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए बैंकों से फसली ऋण लेने वाले देश के करोड़ों किसानों को रिजर्व बैंक ने राहत दी है। आरबीआई ने आज स्पष्ट किया है कि कोरोना वायरस की वजह से फसल लोन पर दिए गए तीन महीने के मोराटोरियम का लाभ तो मिलेगा ही, इसके अलावा उन्हें तीन महीने की अवधि के लिए दंडात्मक ब्याज भी नहीं भरना होगा। इसके साथ ही उन्हें इंट्रेस्ट सबवेंशन स्कीम का भी लाभ मिलेगा। रिजर्व बैंक द्वारा आज जारी एक पत्र में इसकी जानकारी दी गई है।

सभी बैंकों के प्रमुखों को भेजे गए इस पत्र में बताया गया है कि सरकार ने किसानों को विस्तारित अवधि के दौरान भी ऋण का भुगतान करने पर इंट्रेस्ट सबवेंशन स्कीम का लाभ देने का फैसला लिया है। इसके तहत उन्हें ब्याज में दो फीसदी की छूट मिलेगी। इसके साथ ही उन्हें समय पर भुगतान करने पर तीन फीसदी का प्रोत्साहन भी मिलेगा। इसमें कहा गया है कि जो किसान 31 मई, 2020 या इससे पहले ऋण का भुगतान कर देते हैं, उन्हें यह लाभ मिलेगा। लॉकडाउन की वजह से इस समय देशभर में कहीं भी आने-जाने पर रोक है, इसलिए वे बैंक की शाखाओं तक भी नहीं पहुंच पाएंगे।

देशभर में लॉकडाउन के कारण कई किसान अपने अल्पकालिक फसली ऋण के बकाया भुगतान के लिए बैंक शाखाओं में जा नहीं पा रहे हैं। इसके अलावा, लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध और समय पर एग्री जिंसों बिक्री तथा भुगतान नहीं मिलने के कारण भी किसान समय पर ऋण की अदायगी नहीं कर पा रहे हैं। लॉकडाउन के कारण किसानों को इस अवधि के दौरान अपने अल्पकालिक फसली ऋणों के भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसी को देखते हुए सरकार ने अवधि बढ़ाने का फैसला किया है।

इससे पहले, सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए किए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान खेती-किसानी और इससे संबंधित सेवाओं में जुटे लोगों को परेशानी नहीं हो, इस संबंध में इन्हें छूट प्रदान की है, जिससे फसलों की कटाई में भी बाधा नहीं आएगी। कृषि उत्पादों की खरीद से संबंधित संस्थाओं व न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित कार्यों, कृषि उत्पाद बाजार कमेटी एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित मंडियों, उर्वरकों की दुकानों, किसानों एवं कृषि श्रमिकों द्वारा खेत में किए जाने वाले कार्यों, कृषि उपकरणों की उपलब्धता हेतु कस्टम हायरिंग केंद्रों (सीएचसी) और उर्वरक, कीटनाशक एवं बीजों के निर्माण एवं पैकेजिंग इकाइयों, फसल कटाई व बुआई से संबंधित कृषि व बागवानी में काम आने वाले यंत्रों की अंतरराज्यीय आवाजाही को भी

माधव बेलमकोंडा वर्ल्ड विजन इंडिया के नए सीईओ

नईदिल्ली (आरएनएस)। वर्ल्ड विजन इंडिया ने मंगलवार को माधव बेलमकोंडा को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और राष्ट्रीय निदेशक नियुक्त किया। बेलमकोंडा को चेरियन थामस की जगह यह जिम्मेदारी दी गई है। नये सीईओ को कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों , देश और बिरटेन में बडे पारिवारिक संगठनों में कार्य करने का 25 वर्ष का लंबा व्यापक अनुभव है। बेलमकोंडा ने बिरटेन स्काटिश पावर और बैंक आफ स्काटलैंड में ऊचें औहदों पर काम किया है। वह पिछले एक दशक से वरुण समूह से जुडे हुए थे। थामस इस पद पर अगस्त 2015 से थे। उन्हें अब वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल के दक्षिण एशिया प्रशांत के क्षेत्रीय प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है।

सिप्ला ने सरकार को 25 करोड़ रुपये दान दिए

नई दिल्ली। दवा कंपनी सिप्ला ने मंगलवार को कहा कि उसने कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने में सरकार का सहयोग करने के लिए 25 करोड़ रुपये दिए हैं। सिप्ला ने शेयर बाजार को बताया कि इस धनराशि में कंपनी के कर्मचारियों ने मिला लगभग तीन करोड़ रुपये का दान शामिल है। कंपनी ने कहा कि 25 करोड़ रुपये में नौ करोड़ रुपये पीएम-केयर्स कोष में जमा किए जाएंगे। इसके अलावा आठ करोड़ रुपये विभिन्न राज्य सरकारों को देने की घोषणा की गई है। सिप्ला की परोपकार शाखा सिप्ला फाउंडेशन कोविड महामारी की

रोकथाम से संबंधित कार्यक्रमों के लिए चार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसमें से कई कार्यक्रम पहले से चल रहे हैं। कंपनी ने कहा कि उसने दवाओं, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, सैनिटाइजर, मास्क, दस्ताने और भोजन सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए चार करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

हॉकी इंडिया ने मैच अधिकारियों के लिए ऑनलाइन सत्र शुरू किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अपने अंपायरों और तकनीकी अधिकारियों को खेल के नियमों में नवीनतम बदलाव के बारे में अपडेट करने और उनके फिटनेस के स्तर में सुधार के लिए सोमवार को 'ऑनलाइन इंटरैक्टिव (संवादात्मक) सत्र' शुरू करने की घोषणा की। हॉकी इंडिया छह वॉट्सऐप ग्रुप में यह सत्र चला रहा है जिसमें तीन ग्रुप तकनीकी अधिकारियों के और तीन अंपायरों के हैं। हॉकी इंडिया ने विज्ञप्ति में कहा कि 100 से अधिक पंजीकृत अधिकारी हफ्ते में छह दिन इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं।

क्रुड ऑयल में भारी गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। दुनियाभर में कोरोना के कहर के बीच कच्चे तेल की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की जा रही है। अमेरिकी वायदा बाजार की बात करें तो क्रूड की कीमतें एक समय शून्य से भी नीचे चली गई। दुनिया के इस तेल के खेल में भारत कहां खड़ा है, हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर पड़ेगा, क्या तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की जाएगी... ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो आज हर किसी के मन में उठ रहे हैं। दरअसल, सोमवार को अमेरिका के वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट मार्केट में कच्चा तेल मई के वायदा सौदों के लिए गिरते हुए माइनस 37.63 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया

था। सबसे पहले यह समझ लें कि इसका मतलब क्या है। यह रेट मौजूदा यानी तत्काल के हाजिर बाजार के लिए नहीं है। यह वायदा बाजार के लिए है।

असल में दुनियाभर में लॉकडाउन को देखते हुए जिन कारोबारियों ने मई के लिए वायदा सौदे किए हैं वे अब इसे लेने को तैयार नहीं हैं। उनके पास पहले से इतना तेल जमा पड़ा है जिसकी खपत नहीं हो रही है। इसलिए उत्पादक उन्हें अपने पास से रकम देने को तैयार हैं कि आप हमसे खर्च ले लो, लेकिन कच्चा तेल ले जाओ यानी सौदे को पूरा करो। ऐसा कच्चे तेल के इतिहास में पहली बार हुआ है। इसके अगले महीने यानी जून के कॉन्ट्रैक्ट के लिए डब्लूटीआई क्रूड की कीमत 22.15 डॉलर प्रति बैरल थी। यानी एक महीने के ही भीतर वायदा सौदे में प्रति बैरल करीब 60 डॉलर का अंतर दिख रहा था। अब इस बात को समझना जरूरी है कि वैसे अमेरिकी बाजार में कच्चा तेल अगर मुफ्त भी हो जाता है तो पेट्रोलियम कीमतों के लिहाज से भारत को बहुत फर्क क्यों नहीं पड़ता।

विराट-रोहित की तुलना सचिन-द्रविड़ की क्लास से नहीं हो सकती: मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट में अच्छे बल्लेबाजों की एक लंबी परंपरा है। सुनील गावसकर से लेकर गुंडप्पा विश्वनाथ, कपिल देव, सचिन तेंडुलकर, राहुल द्रविड़ जैसे बल्लेबाजों ने पूरी दुनिया में भारतीय बैटिंग का परचम लहराया। इसके बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा भी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारतीय कप्तान और उपकप्तान की इस जोड़ी की तुलना राहुल द्रविड़ और सचिन तेंडुलकर से भी की जाती है। हालांकि पाकिस्तान

के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ इससे सहमत नहीं है। यूसुफ ने भारतीय दिग्गजों के काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि इनकी तेंडुलकर और द्रविड़ की क्लास के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए। क्रिकेट पाकिस्तान की एक खबर के मुताबिक यूसुफ ने कहा कि मौजूदा खिलाड़ियों की तुलना सचिन और द्रविड़ के साथ नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय टीम में चॉलिटी बल्लेबाज थे। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय टीम में राहुल द्रविड़, सचिन तेंडुलकर, वीरेंदर सहवाग, सौरभ गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और युवराज सिंह जैसे बल्लेबाज थे। कोहली और बाबर आजम के बारे में अपने दौर के इस क्लासिक बल्लेबाज ने कहा, भारतीय कप्तान अभी विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं।

राशन दान के बाद अब रितिक रोशन ने उठाया एक और बीड़ा

वक्त है अपनी कूबत के हिसाब से दूसरों की मदद के लिए सामने आने का और इस वक्त फिल्म स्टार्स और कई बड़ी हस्तियां अपनी इस जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। इनमें से एक रितिक रोशन भी हैं, जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में उन पपराजी की मदद की है, जो उनके स्टारडम को तस्वीरों के जरिए फैन्स तक अक्सर पहुंचाया करते हैं। सिंटा को 25 लाख रुपये की मदद के बाद अब उन्होंने सिलेब्रिटी फटॉग्रफर्स की मदद की ओर हाथ बढ़ाया।

कोरोना की वजह से पूरी इंडस्ट्री इस वक्त ठप्प पड़ी है। फिल्मों की शूटिंग बंद है, स्टार्स लॉकडाउन में हैं और घरों से निकल नहीं रहे, ऐसे में इन फटॉग्रफर्स का काम भी बंद पड़ गया है और इनके पास इनकम का कोई दूसरा सोर्स भी नहीं। कई फटॉग्रफर्स के घरों का खर्चा स्टार्स को एयरपोर्ट से लेकर जिम और स्टूडियो तक की तस्वीरों से ही चलता था और आज वे पूरी तरह से बेरोजगार हैं। रितिक रोशन ने इन पपराजियों को जरूरत की इस घड़ी में फाइनैंशल हेल्प के लिए

हाथ बढ़ाया है।

योगेन शाह, विरल भयानी, मानव मंगलानी जैसे कई सिलेब्रिटी फटॉग्रफर्स ने रितिक को इस मदद के लिए सोशल मीडिया के जरिए धन्यवाद कहा है। विरल ने अपने पोस्ट में रितिक को इस मदद के लिए शुक्रिया देते हुए यह भी कहा है कि कई स्टार्स ने फिल्म इंडस्ट्री के अलग-अलग असोसिएशन में कॉन्ट्रिब्यूट किया है, लेकिन फटॉग्रफर्स ऐसे किसी भी यूनियन का हिस्सा नहीं हैं इसलिए ऐसे में उन तक डोनेशन का कोई भी हिस्सा नहीं पहुंचा।

सिलेब्रिटी फटॉग्रफर योगेन शाह ने लिखा है कि रितिक पहले ऐसे सिलेब्रिटी हैं, जिन्होंने उन फटॉग्रफर्स के बारे में सोचा है और उन्हें फाइनैंशल हेल्प की है जो फील्ड पर हमेशा कड़ी मेहनत करते हैं और उनका काम अभी साफ बंद हो चुका है।

जा रे जा ओ हरजाई पर थिरकती नजर आईं सुप्रिया पिलगांवकर

साल 1994 में आए टेलीविजन शो तू-तू मैं-मैं से भारत के घर घर में अपनी पहचान बनाने वाली मराठी अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर भी लॉकडाउन के दौरान अपना और अपने फॉलोवर्स का मनोरंजन करने से पीछे नहीं हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो अपडेट किया है, जिसमें वह साल 1976 में आई फिल्म कालीचरण के लोकप्रिय गाने जा रे जा ओ हरजाई में डांस करते नजर आ रही हैं।

इस वीडियो को अब तक चार हजार से अधिक बार देखा जा चुका है।

इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है, जैसा कि एक कलाकार होने के नाते हमें कई बार कहा जाता है कि हम अपने घर से ही सेल्फ टेस्ट भेजें, खास कर जब हमें खुद को विशेष रूप से पेश करने की आवश्यकता होती है तब .इसलिए यह मेरे द्वारा एक छोटा प्रयास किया गया है ताकि मैं ये परीक्षण कर सकूं कि मैं बैकग्राउंड डांसर के तौर पर कैसी लग सकती हूं, इसके पहले मुझे शर्म महसूस हो रही थी, लेकिन एक बार जब मैंने गाना बजाया तो मुझे मजा आने लगा।

उनके इस पोस्ट पर उनकी बेटी और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है, ढेर सारा प्यार। अभिनेत्री कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, ससुराल गेंदा फूल जैसे कई हिंदी सीरियल में नजर आ चुकी हैं।

आकांक्षा चाहती हैं थप्पड़ जैसी फिल्मों में काम करना

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर का कहना है कि वह अपने लॉकडाउन दिनों का उपयोग कुछ महान फिल्में देखने में कर रही हैं। आकांक्षा ने हाल ही में डिजिटल फिल्म गिल्टी के साथ एंट्री की और अपने काम के लिए तारीफ भी पाई। अब वो थप्पड़ जैसी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती है। आकांक्षा ने बताया मैं इस समय का उपयोग कुछ अच्छा करने में कर रही हूं। मैं उन लोगों में से एक हूं, जो फिल्म के बजाय टीवी श्रृंखलाएं ज्यादा देखते थे, लेकिन अब मैंने महत्वपूर्ण फिल्मों की एक सूची बनाई है, जिन्हें मैं प्रदर्शन को बेहतर ढंग से समझने

के लिए देख रही हूं। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए उपयोगी है। मैंने द प्लेटफॉर्म, द रिपोर्ट और लेडी बर्ड देखी है। इस बारे में पूछे जाने पर कि क्या कोई ऐसी बॉलीवुड फिल्म उन्होंने देखी है जिसका वह हिस्सा बनना चाहेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया,मैं जो भी फिल्मा देखती हूं, मुझे लगता है कि मैं इसका हिस्सा होती।

आज का राशिफल

मेषः- मेष राशि के जातकों के लिए अपनी प्रतिभा को दिखाने का उत्तम समय है। धन प्राप्ति के अच्छे अवसर उपलब्ध होंगे परंतु साथ ही बढ़ते खर्चे भी मन को अशांत करेंगे।

वृषभः- वृष राशि के जातक आज कमाई के नए तरीके ढूंढने और उनसे कैसे घर बैठकर अधिक कमाई की जा सके इस पर फोकस करेंगे।

मिथुनः- मिथुन राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में सभी प्रयास सफल होंगे। काफी समय से चली आ रही परेशानियां खत्म होंगी। धन प्राप्ति के लिए एक अच्छा दिन है।

कर्कः- कर्क राशि के जातकों के सारे काम आज सहज ही बन जाएंगे। धन प्राप्ति के लिए उत्तम दिन है, परंतु भविष्य के खर्चों को लेकर मन व्यथित रहेगा।

सिंहः- सिंह राशि के जातक आज विरोधियों की बातों पर ध्यान ना देते हुए पूर्णतः अपने काम पर फोकस करेंगे। भाग्य आपका साथ दे रहा है।

कन्याः- कन्या राशि के जातकों के लिए आज एक शुभ दिन है। बुद्धि के सही प्रयोग से एक से ज्यादा स्रोतों से धन लाभ का योग बनता है।

तुलाः- तुला राशि के जातकों का आत्म बल उन्हें सभी और से सफलता दिलाने वाला है। शत्रु परास्त होंगे। मेहनत का फल अच्छे धन लाभ के रूप में मिलेगा।

वृश्चिकः- वृश्चिक राशि के जातक स्वभाव से अति संवेदनशील होते हैं। आज उन्हें इससे बचना चाहिए। अपने पराक्रम से अपने आप को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में आप कामयाब होंगे।

धनुः- धनु राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र पर फोकस करने का उत्तम समय है। सभी काम आसानी से बन जाएंगे। धन प्राप्ति के योग भी आज बन रहे हैं।

मकरः- मकर राशि के जातको का मनोबल बड़ा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सभी कामों में सफलता मिलेगी। धन प्राप्ति के उत्तम अवसर मिलेंगे।

कुंभः- कुंभ राशि के जातकों का आज सारा ध्यान जमा पूंजी के सही उपयोग से धन अर्जित करने की ओर रहेगा, जिसमें वह कामयाब भी होंगे। यात्रा ना कर पाने की वजह से कुछ काम अटके हुए हैं पर इस वक्त घर में रहना ही सुरक्षित है।

मीनः- मीन राशि के जातकों के लिए उत्तम समय है। कम मेहनत में भी अच्छे परिणाम आपको मिलेंगे। मन प्रसन्न रहेगा फैसले सही होंगे और धन लाभ होगा।

बहुत ही हेल्दी और टेस्टी है - मिक्स्ड स्प्राउट्स चाट

सामग्री :

मिक्स्ड स्प्राउट्स- डेढ़ कप, स्वीट कॉर्न- 1/2 कप उबले हुए, टमाटर- 1/4 कप बारीक कटा, प्याज- 1/2 कप बारीक कटा, चाट मसाला- 1 टीस्पून, मीठी चटनी- 4 टेबलस्पून, खट्टी चटनी- 4 टेबलस्पून, हरी चटनी- 4 टेबलस्पून, हरा धनिया- 2 टेबलस्पून बारीक कटा, बारीक सेव- 2 टेबलस्पून, मैदा- 1 कप, अजवाइन- 1/2 टीस्पून, ऑयल- जरूरत के मुताबिक, नमक- स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले एक मिक्सिंग बाउल में मैदा, अजवाइन, 2 टेबलस्पून ऑयल और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सॉफ्ट आटा गूंद लें और इसे साफ कपड़े से ढ़ककर दस मिनट तक छोड़ दें। दस मिनट बाद आटे को अपनी हथेली से पांच मिनट तक अच्छे से मसल लें। इसके बाद इससे छोटी-छोटी लोइयां बना लें और इन्हें

पापड़ी के साइज में बेल लें। अब कड़ाही में तेल गरम करें। जब तेल गर्म हो जाए तब इसमें बेली हुई पापड़ी को डालकर मीडियम आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें। इन्हें नैपकीन पेपर लगी प्लेट में निकाल लें और अलग रख दें। अब मिक्सड स्प्राउट्स, स्वीट कॉर्न, टमाटर, प्याज, चाट मसाला, नमक और हरा धनिया को एक मिक्सिंग बाउल में डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर दो सर्विंग प्लेट में चार-चार पापड़ी रखकर हर पापड़ी पर थोड़ा सा तैयार किया गया स्प्राउट्स मिक्सचर डालें। इसके बाद उनके ऊपर मीठी चटनी, हरी चटनी, खट्टी चटनी और बारीक सेव डालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 99

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

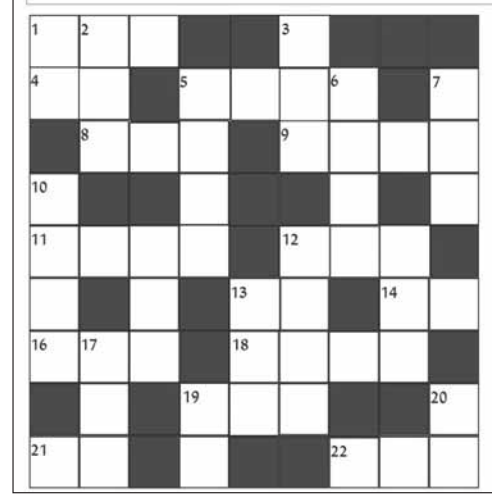

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 99

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2